[Mr. Speaker]

gendra Jha, Member, Lok Sabha, was accordingly arrested today, the 9th August, 1970, at about 4-30 P. M., and he is at present lodged in Madhubani Sub-Jail."

(2) Dated the 9th August, 1970, from the Sub-Divisional Magistrate, Khagadia :—

"Shri Kameshwar Singh, Member, Lok Sabha, has been arrested under Sections 143, 341, 447 and 448 of the Indian Penal Code for forming an unlawful assembly and making a tresspass and *gherao* at my residence."

DEMANDS FOR SUPPLEMENTARY GRANTS (GENERAL), 1970-71

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI VIDYA CHARAN SHUKLA) : On behalf of Shri Y.B. Chavan, I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Budget (General) for 1970-71.

DEMANDS FOR SUPPLEMENTARY GRANTS (RAILWAYS), 1970-71

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI NANDA) : I beg to present a statement showing Supplementary Demands for Grants in respect of the Budget (Railways) for 1970-71.

MR. SPEAKER: The House stands adjourned for lunch till 2.30 PM. *(Interruptions)*.

The Lok Sabha adjourned for Lunch till thirty minutes past Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at thirty two minutes past Fourteen of the Clock.

(MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*)

RE : DISCUSSION ON LAND MOVEMENT

SHRI H. N. MUKERJEE (Calcutta North-East) : Sir, you might recall that even yesterday we had mentioned to the chair that in view of the movement all over the country for the restoration of land to the tiller, which has brought about imprisonment of nearly six thousand people all over the country, and of the arrest and imprisonment of very important members of this House, Shri Nath Pai, Shri Madhu Limaye, Shri Bhogendra Jha and so many others whom I need not name, a position has arisen about which a discussion is by all means called for. We have yesterday sent in the relevant documents to your Secreteriat, and we were hoping that some time would be given but, on account of the rather unusual elongation of what is called the zero hour, the Speaker could not apply his mind to this question this morning, and that is why we wish you please to decide on this point so that the House can have an assurance that as soon as ever it is possible we shall have a discussion on this matter which has brought about the imprisonment of so many of our members.

श्री जार्ज फरनेन्डीज (बम्बई-दक्षिण) : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे दो बातें मोटे तौर पर आपके सामने रखनी हैं—पहली बात तो है मधु लिमये की गिरफ्तारी। मधु लिमये की गिरफ्तारी भूमि मुक्ति आन्दोलन के सिलसिले में अगर हुई होती, जैसे अन्य राज्यों में हुई है, तो उन के मसले को मैं अलग से नही उठाता। लेकिन मुझे जो जानकारी बनारस से मिली है, उसमें यह बताया गया है कि मधु लिमये को दफा 107, 117 और 151 के अन्तर्गत गिरफ्तार किया गया है। इन तीन दफाओं के अन्तर्गत मधु लिमये को गिरफ्तार करने की कौन सी

वजह है, इस बात को न उत्तर प्रदेश की सरकार बता रही है या और कोई बता रहा है। गुण्डा कानून का इस्तेमाल संसद के सदस्यों के विरुद्ध इस तरह से नहीं किया जा सकता.........

MR. DEPUTY-SPEAKER : You are going into details. You are entering into a discussion.

श्री जार्ज फरनेन्डीज : मैं सिर्फ जानकारी दे रहा हूं, डिटेल में नहीं जा रहा हूं। वे बनारस से आजमगढ़ एक सभा में बोलने केलिए जा रहे थे, उनके खिलाफ इन दफाओं को लगा कर इस तरह से गिरफ्तार करना एक बिलकुल गलत काम हुआ है। इस लिये मैं आप की मारफत यह अर्ज करना चाहता हूं कि उत्तर प्रदेश की सरकार को तत्काल यह कहा जाय कि इस ढंग से किसी भी आन्दोलन को समाप्त करने का यदि वह प्रयास कर रहे हों, तो उस का कोई अर्थ नहीं है, वे इस प्रयास को शीघ्र छोड़ दें। अभी अभी पता चला है कि वहां की एक मंत्री श्रीमती राठोड़ की ओर से आज सुबह गोलियां चलाई गई हैं, जिस में एक आदमी मारा गया है। उत्तर प्रदेश में चरण सिंह की सरकार आज आप के समर्थन से चल रही है। यह सरकार वहां आज किस ढंग से, किस बर्बता के साथ व्यवहार कर रही है, उस को आप के सामने रखना मेरा फर्ज था।

दूसरी बात—प्रधान मंत्री, बाबू जगजीवन राम, ये सभी लोग आज चिल्ला कर यह कह रहे हैं कि हम जो कर रहे हैं वह प्रजातन्त्र के विरुद्ध है। मैं बाबू जगजीवन राम के उस पत्र को ले आया हूं—उस की फोटो स्टेट कापी भी ले आया हूं—जिसमें दिनांक 22 जून, 1969 को उन्होंने मुझे लिखा था—

प्रिय श्री फरनान्डीज,

आप का दिनांक 14-6-1969 का पत्र मिला। श्री ओम प्रकाश, एडवोकेट संघ, सहारनपुर, अपने शिष्ट मंडल के साथ मुझे दिनांक 18-6-1969 को मिल चुके हैं...

उपाध्यक्ष महोदय, आज प्रधान मंत्री कह रही हैं कि हमारी पार्टी प्रजातन्त्र को तोड़ रही है, प्रजातन्त्र में विश्वास नहीं रख रही है। भूमि का मुक्ति आन्दोलन चलाना हिन्सात्मक काम है, यह प्रजातन्त्र के विरुद्ध है। हमारी पार्टी को बदनाम करने के लिए वह आकाशवाणी का इस्तेमाल कर रही हैं, अखबारों का इस्तेमाल कर रही हैं। उस पार्टी के अध्यक्ष हम को 22-6-69 को अपने पत्र में लिखते हैं—मैं केवल दो वाक्य ही पढ़ कर सुनाउंगा—

मैंने 24 मई के भाषण में यह जरूर कहा था कि बंजर जमीन को भूमिहीन कृषकों को जोत कर अन्न उत्पादन करना चाहिये।

श्री प्रताप सिंह (शिमला) : क्या गलत कहा था।

श्री फरनेन्डीज : सीधी सी बात है, वह कुबूल करते हैं कि जो बंजर जमीन है, उस पर भूमिहीन जा कर कब्जा कर सकते हैं। एक तरफ कांग्रेस के अध्यक्ष खुद इस बात को कहते हैं, दूसरी तरफ प्रधान मंत्री हमें यह कहें कि हम अनडेमोक्रैटिक काम कर रहे हैं, हम संसदीय संस्थाओं की हत्या कर रहे हैं—हम कैसे इस चीज को बरदाश्त करें .....

MR. DEPUTY-SPEAKER : I am not shutting out a discussion on it but I want you to give a proper notice...... (*Interruption*). Do not take this opportunity for going into details.

श्री नाथू राम अहिरवार (टीकमगढ़) : इस में क्या गलत है। पहले यह समझिये कि बंजर जमीन के मायने क्या होते हैं। बंजर जमीन उस जमीन को कहते हैं जिस पर सिवाय सरकार के किसी का मालिकाना हक न हो।

श्री जार्ज फरनेन्डीज : मुझे आप से ज्यादा मालूम है। बंजर अमीन पर ही कब्जा हो रहा है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं कह रहा था कि आप इस मामले को इस सदन में पेश करने का मौका दीजिये और मधु लिमये की गिरफ्तारी के लिये, जो बिलकुल अवैध और गलत ढंग से की गई है, उन की रिहाई के बारे में तत्काल सम्बन्धित लोगों को कहिये।

SHRI SAMAR GUHA (Contai) : Mr. Deputy-Speaker, Sir, as a result of the land satyagraha that has been started all over the country on the 9th August—the historic August Revolution day—6,000 people, as has been quoted by Professor Mukerjee—it was yesterday's figure; today, the figure is about 10,000—all over the country have been arrested and reports of further arrests are coming in.

श्री जार्ज फरनेन्डीज : आज फिर गोली चली है, एक आदमी मारा गया है।

SHRI SAMAR GUHA : Many Members of Parliament have been hauled up and many leaders have also been arrested. Reports of lathi charge, teargas and also of firing are coming in. Naturally, it will agitate the mind of Members of Parliament, more so because this land satyagraha started by the Samyukta Socialist Party and the Praja Socilist Party is a peaceful movement. It is being conducted neither with *lathis* nor with firearms. When in certain parts of the country, in the name of the land-grab movement, killing, looting, murder and arson were going on, where was this Government ? What they were doing ? They did not do anything then.

Now, in keeping with the traditions of Mahatma Gandhi, with the traditions of Champaran and Khaira satyagraha, when the social forces have started a peaceful struggle to draw the attention of the country to an explosive nature of the land problem, what is the reaction of the Government ?

Sir, we have given an adjournment motion. The Speaker even did not mention it. He did not allow to put it before the House. What is happening here ? The matters like the Russian map, the exodus of refugees from East Pakistan, the Britain's arms aid to South Africa etc. have been first discussed in the Rajya Sabha and after a week, these things were taken up here. About the land agitation movement, the Rajya Sabha are discussing it. We are the direct representative of the people here. We have the direct responsibility to the people. We have a direct responsibility to discuss such an emergent problem in this House either before or after the same time with Rajya Sabha.

I want to have a categorical assurance whether an adjournment motion that was submitted by me will be taken up or the matter will be taken up in the form of a discussion. When will it be taken up. Mr. Nath Pai was arrested and fined Rs. 50 and, when he refused to pay the fine, he was given 10 days imprisonment. Then, some 50 young people who staged a peaceful *dharna* before the Prime Minister's house were whisked away and each one of them was fined. Mr. Madhu Limaye has been arrested. So many thousands of arrests have taken. It is very repulsive. I want that this House must have an opportunity to discuss it as early as possible.

श्री स० मो० बनर्जी कानपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा निवेदन है कि आपको मालूम होगा कि 22 साल तक इन्तजार करने के बाद कम्युनिस्ट पार्टी ने पहली जुलाई, 1970 को यह आन्दोलन खड़ा किया कि हम वह जमीन भूमिहीनों को--दिलाने की कोशिश करेंगे। उस वक्त भी हमने सरकार को चेतावनी दी थी लेकिन सरकार की नींद टूटी नहीं। उसके बाद 9 अगस्त से सी० पी० आई०, एस० एस० पी० और पी० एस० पी० ने एक आन्दोलन शुरू कर दिया है जिसमें यहां के भी पांच सदस्य गिरफ्तार हुए हैं। बिहार में फायरिंग हुई है और उत्तर प्रदेश में भी फायरिंग हुई है। उत्तर प्रदेश में चरण सिंह की सरकार ने प्रिवेंटिव डिटेन्शन का आर्डिनेन्स भी निकाला है जिसमें सेन्टर की मदद ली गई है। मेरा निवेदन है कि तकरीबन दस हजार लोग पूरे देश में गिरफ्तार हुए हैं।

यहां पर बंजर जमीन की बात की गई लेकिन आपको मालूम होगा कि कौन सी जमीन का दखल कर रहे हैं ? श्री जे० पी० श्रीवास्तव के लड़के ने कानपुर जिले में चार-पांच सौ एकड़ जमीन इसलिए रख छोड़ी है कि—वहां शूटिंग करेंगे। इसलिए मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि हम इसके बारे में यहां पर बहस चाहते हैं। कल आल इंडिया रेडियो पर श्रीमती इन्दिरा गांधी ने कहा कि यह आन्दोलन अनडिमोक्रेटिव है, अनकांस्टीट्यूशनल है। मैं आप के द्वारा निवेदन करना चाहता हूं कि वे यहां पर बहस करें और यह साबित करें कि यह अनडिमोक्रेटिक और अनकांस्टीट्यूशनल है। अगर कांस्टीट्यूशनल मेथड से लैंड का डिस्ट्रिब्यूशन नहीं होगा तो किसान अपने हल को उठायेगा और मजदूर अपने हथौड़े को उठायेगा फिर चाहे गोली चले या लाठी चले।

SHRI SHRI CHAND GOYAL (Chandigarh): Sir, undoubtedly, this land-grab Government...

AN HON. MEMBER: Land-liberation movement. (*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order, please. I find that every Member is making the same point.

SHRI SHRI CHAND GOYAL: This is a controversial issue and various parties represented in this House have a different approach to this problem. Therefore, we want that this matter must be discussed. It is very wrong that the Congress Party discussed the matter in its party meeting and it is not discussed in the House. We were expecting that this will come up either in the form of a Call Attention Notice or an a adjournment motion. It is desirable that all the aspects of the problem must be discussed.

Then, Sir, thousands of people have come from Vidarbha demanding a separate State of Vidarbha. They have come all the way from there. The Government should make some statement as to how they are going to solve this problem of some people in some part of the country demanding a separate State. Therefore, the Government should decide its overall policy because a thousand people have come. It is not a small thing.

श्री रणधीर सिंह (रोहतक) : डिप्टी-स्पीकर महोदय, इस देश में बदकिस्मती से दिखावा ज्यादा है और काम कम है। यहां वह भाई भी जोकि देहात को नहीं जानते, खेती को नहीं जानते, जोकि गेहूं की फसल को नहीं जानते, जोकि बम्बई और कलकत्ते के बाबू हैं, वह लीडर बनते हैं। वह यहां पर काश्तकारों की बात करते हैं। इसमें फ्राड ज्यादा है और असल काम कम है।...(व्यवधान)...

श्री जार्ज फरनेन्डीज : आप बहस के सिवाय और क्या जानते हैं ?...(व्यवधान)...

श्री रणधीर सिंह : चोर की दाढ़ी में तिनका। मैं नाम नहीं लेना चाहता था लेकिन चोर की दाढ़ी में तिनका। बनर्जी साहब और फरनेन्डीज साहब शहरी बाबू हैं जोकि देहात को नहीं जानते। (व्यवधान)...

MR. DEPUTY-SPEAKER: Order please. I would humbly request the Members to realise that we are not discussing this now. The only submission is whether this subject should come before the House for discussion. You may say that you support it or you oppose it. Kindly don't say that this is done by this man or that is done by that man.

SHRI RANDHIR SINGH: I am coming to that, Sir.

जब बाड़ ही खेत को खायेगी तो फिर खेत में क्या होगा ? कोई सौतेली मां पडोसी के बच्चे के पास जाकर के कहे कि यह बच्चा मेरा है तो वह खतरे की बात है। इनको किसानों से

[श्री रणधीर सिंह]

क्या हमदर्दी ? इनको देहात के मजदूर और हरिजनों से क्या हमदर्दी ? ये बम्बई की बात को जानते हैं, दिल्ली की बात को जानते हैं, कानपुर की बात को जानते हैं लेकिन देहात की बात का इनको क्या पता है ? यह सही बात है कि जो हालात खेती के सिलसिले में आजकल हैं इनका से कोई जल्दी जल्दी हल निकलना चाहिए। प्राइम मिनिस्टर ने कहा है और हमारे कांग्रेस प्रेसीडेन्ट ने कहा है कि जल्दी से जल्दी उसका हल निकलेगा। लेकिन इनके फ्राड से नहीं, इनके स्टन्ट से नहीं। ...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY-SPEAKER : Whether this is a stunt or not, I am not concerned with it. Order please. Please sit down.

श्री रणधीर सिंह : इन्होंने सैकड़ों हजारों आदमियों को जोकि बिल्कुल गरीब और मासूम थे, जेलों में ढकेल दिया हैं। अब एक एक पर बीस बीस मुकदमे चलेंगे और ये अपनी लीडरी लेकर अपनी कोठी में बैठ जायेंगे। अदालतों में उन बेचारों का पैसा वकील खायेंगे। एक एक, दो दो हजार रुपया उनका खर्च हो जायेगा। इन्होंने अपनी लीडरी चमकाने के लिए उन हजारों लोगों का खून किया है। .. ..(व्यवधान)... मैं आपकी मार्फत यह कहना चाहता हूं मिनिस्टर महोदय श्री रघुरामैया जी से जोकि एक असली किसान हैं कि इस पर फुल डिबेट होनी चाहिए—एक नहीं तीन दिन तक होनी चाहिए और जो किसान भाइयों का मसला है उसको हल होना चाहिए। जो बड़े लैंडलार्ड हैं, रजवाड़े हैं, टाटा बिड़ला और डालमिया हैं ...(व्यवधान)... लेकिन अगर ये हमारे खेत को ग्रेब करते हैं तो फिर हम इनके मकान पर आयेंगे इनके मकान को ग्रेब करने के लिए। ...(व्यवधान)... इसमें सिवाय स्टन्टबाजी के, देहात में झगड़ा फैलाने के और मजदूरों और किसानों में बैर कराने के और कोई मतलब नहीं है। लेकिन इसपर बहस होनी चाहिए ताकि जल्द से जल्द यह मसला हल हो। हम चाहते हैं कि सीलिंग मुकर्रर हो और फालतू जमीन लैंडलेस को दी जाये। इस देश में कांग्रेस से बढ़कर किसान और मजदूर का दूसरा कोई हमदर्द नहीं है। ये सिर्फ हलवे मांडे की बात करते हैं और अपनी पार्टी को चमकाना चाहते हैं। इसके अलावा और कोई मतलब नहीं है। आपने मुझे समय दिया उसके लिए मैं आपका बड़ा मशकूर हूं।

श्री शिवचन्द्र झा : (मधुबनी) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं बिहार की जिस कांस्टिटुएन्सी से आता हूं वह ऐसा एरिया है जो अटूट देहात है। आज जो लैंड ग्रेब मूवमेंट चल रहा है उस के लिये मैं ने एक ऐडजर्नमेंट मोशन दिया है। मैं कहना चाहता हूं कि उस को लैंड ग्रेब मूवमेंट कहना गलत है, वह तो लैंड डिस्ट्रिब्यूशन मूवमेंट है।

हम लोग गांधीजी के बतलाये हुए रास्ते पर चलते हैं। उन्होंने कहा था कि पहले पिटिशन करो, बात चीत करो और अगर वह असफल हो जाय तब आन्दोलन करो। इसी लिये पहले हम ने इस के लिये अपनी पिटिशन दिया, लिखा पढ़ी को गई, मेमोरेन्डम दिये गये। लेकिन कुछ नहीं हो पाया। इसलिये आज देश की जनता मजबूर हो कर जमीन के बटवारे के लिये गांधीजी के बतलाये हुए रास्ते पर अमल कर रही है।

आज सारे देश में एक रेन आफ टेरर फैला हुआ है। देश में एक कोने से ले कर दूसरे कोने तक हजारों आदमी गिरफ्तार हो गये हैं। लिहाजा लाजमी हो जाता है कि इस सदन में हम लोग इस पर बहस करें। जो भी गिरफ्तारिया हुई हैं उन को ले कर हम ने एक ऐडजर्नमेंट मोशन दिया है और मांग की है कि इस सदन में उसी रूप में इस पर बहस हो जिस तरह से राज्य सभा में हो रही है।

जहां तक श्री मधु लिमये की बात है वह एक फडामेंटल आधार पर है, संवैधानिक आधार पर है। मैं चाहूंगा कि आप इस पर तुरन्त फैसला करें और हम को बहस करने का मौका दें।

SHRI E. K. NAYANAR (Palghat): The land-grab movement is going on. Certain opposition parties are involved in it. 10,000 workers have been arrested. Various Members of Parliament like Shri Madhu Limaye, Shri Nath Pai and Shri Bhogendra Jha have been arrested and put in jail.

MR. DEPUTY-SPEAKER : All these facts are known.

SHRI E. K- NAYANAR : I particularly want to mention about Kerala. The green revolution is thre; but if you do not solve this land problem, it is a sign of the red revolution coming in. In Kerala, in my State, 70,000 agricultural workers are now involved in regard to hut-dwellings and land movements. Kerala is now under. President's rule. Government must withdraw all these cases.

Mr. DEPUTY SPEAKER : At the time of discussion you may say all these things.

SHRI E. K. NAYANAR : It is a shameful thing to arrest leaders of political parties under the Goonda Act, which is done by these provincial Governments: In Kerala and in other places all these cases must be withdrawn. We must-have a full discussion in Parliament on the land-grab movement. That is my submission.

SOME HON. MEMBERS *rose*—

MR. DEPUTY-SPEAKER : When one hon Momber got up, I thought he would be the last Member ; when another got up, I thought *he* would be the last Member to say something ; but I find more and more Hon. Members are getting up and if we go on in this way, where shall we end ? (*Interruption*) Order please. Will the hon Members cooperate with me in conducting the proceedings of the House ? I am here always to meet the wishes of hon. Members, but we must do the thing, according to certain procedures and rules laid down. There is also the time-limit. Hon Members need not make the same point, but may confine themselves to saying whether there has to be a discussion or not.

SHRI PILOO MODY (Godhra) : My speech would have been shorter than yours, Sir. There is considerable confusion between that Gandhi and this Gandhi. And therefore I strongly urge upon persons in this House not to use that word and bandy it about in this fashion. As far as the land-grab movement is concerned, I would like to censure this Government for not having done its duty. This is what has precisely been asked by some Members. I would like to censure this Government for not having done its duty to stop these grabbers from grabbing land. Mr. Banerjee told me that he has grabbed three inches yesterday or day before ; I think he should also have been put in jail, I don't know how he is here, Therefore, I would like to censure this Government for not having done its duty, in putting all of them in jail.

SHRIMATI ILA LAL CHOUDHURI (Krishnagar) : I would like to point out that the land grab movement has created more problems than it has solved. (*Interruptions*).

MR. DEPUTY-SPEAKER : Let not the hon. Member enter into the points. Let hor not raise any controversy now. The only point is whether this should be discussed in the House or not.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI : It should be discussed because it has created more problems. Under this movement, people have taken away land from those who were owning it and have created more landless people. It should not have been done. The law should take its own course, but it has not been allowed to take its course. The people who have done it have done a great wrong to the people in the countryside. As my hon. friend Shri Randhir Singh has said, those people who have gone out doing

[Shrimati Ila Palchoudhuri]

this under the land grab movement know nothing about peasants. (*Interruptions*) They live in Calcutta.

SHRI S. M. BANERJEE : Does she own any land ?

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI : I have no land and no land has been grabbed from me.

श्री जार्ज फरनेन्डीज : उपाध्यक्ष महोदय, उन को विदेश नीति के बारे में क्या मालूम है, उनको सुरक्षा के सम्बन्ध में क्या मालूम। ज़मीन के बारे में हम से ज्यादा उन को नहीं मालूम। हम जानते हैं कि हिन्दुस्तान में कितने लोग बेजमीन हैं और कितनों की जमीन उन्होंने हड़प ली है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Let her not raise any more controversy.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI : There is only one point that I would like to mention. The land which has been taken away under this movement has not gone to the landless, but it has been distributed on a party basis...

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Member is again going into the merits of it.

SHRIMATI ILA PALCHOUDHURI : I think that there should be a proper discussion on this, and we should know what these parties are doing.

श्री शिव नारायण (बस्ती) : उपाध्यक्ष महोदय, इधर से गांधी जी का नाम लिया गया ......(व्यवधान) .....। सन् 1942 के मूवमेंट को मैं जानता हूं। कांग्रेस ने 9 अगस्त को क्विट इंडिया रेजोल्यूशन पास किया था। मैं उस में विश्वास करता हूं, गांधी जी की फिलासफी में विश्वास करता हूं। शांतिमय ढंग से जो कार्रवाई इस देश में होगी उस का हम समर्थन करेंगे। मैं इसका समर्थन करता हूं और सरकार से मांग करता हूं कि लैंड रिफार्म जल्दी से जल्दी करें और इस मसले पर यहां डिसकशन होना चाहिए।

श्री बलराज मधोक (दक्षिण दिल्ली) : उपाध्यक्ष महोदय, जहां तक इस का सवाल है कि जमीन किसान को मिले, इस में कोई दो रायें नहीं हो सकती, परन्तु उस को करने का एक ढंग है। दिल्ली ऐडमिनिस्ट्रेशन जो एक लाख बीघा जमीन एक्स्ट्रा है उस को 14 अगस्त को लैंडलेस लोगों में बांट रहा है। इस के लिए यहां पर किसी लैंड ग्रेब मूवमेंट की जरूरत नहीं है। अगर सरकार सिंसिअर है तो इस को सरकार संवैधानिक ढंग से कर सकती है, परन्तु जिस ढंग से कानून भंग किया जा रहा है उस को ठीक नहीं कहा जा सकता। यह एक स्टेट सब्जेक्ट है और स्टेट के अन्दर ही इस पर चर्चा हो सकती है। यहां पर फोर्थ फाईव इयर प्लान पर चर्चा होने वाली है और उसमें यह विषय भी आ सकता है। लेकिन इस हाउस में ऐसी कोई बात नहीं करनी चाहिये जिससे ईवन फ्राम ए डिस्टेंस इस बात का आभास मिले कि यह हाउस रूल आफ ला की जगह रूल आफ जंगल की तरफ जाना चाहता है।

हमारा देश प्रजातन्त्र देश रहा है। यहां पर रूल आफ ला चलना चाहिये। कोई भी व्यक्ति, चाहे वह इधर का हो या उधर का, अगर कानून को अपने हाथ मे लेता है तो वह कानून के, संविधान के खिलाफ है। वह संविधान के साथ भी खिलवाड़ करता है और हमारी डिमाक्रेसी के साथ भी खिलवाड़ करता है। ऐसी कोई बात इस हाउस में नहीं होनी चाहिये जिससे इस मामले में प्रोत्साहन मिले। मैंने कल भी कहा था और आज भी दोहराता हूं यहां काम संवैधानिक ढंग से होना चाहिए और दिल्ली प्रशासन ने इस मामले में एक एग्जाम्पल सेट की है। हम लोगों को भी चाहिए कि हम दिल्ली प्रशासन से इस बारे मे सीख लें और देखें कि कैसे यह काम होता है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : Now, Shrimati Jayaben Shah. I would request hon. Members to co-operate. The hon. lady Member will be the last to may submissions on this.

श्री अर्जुन सिंह भदौरिया (इटावा) : मैं पचास बार खड़ा हो चुका हूं। आप मुझ को मौका ही नहीं देते। मैं भी आप से कहना चाहता हूं कि चर्चा का मौका मिलना चाहिए।

MR. DEPUTY-SPEAKER : The hon. Member's party has already made its submissions.

15 hrs.

श्रीमती जयाबेन शाह (अमरेली) : हाउस में जिस विषय पर चर्चा चल रही है उसके बारे में मेरा विचार यह है कि उस पर डिबेट होनी चाहिये। हमारे सामने मसला यह है कि लैंडलेस जो हैं उनके बारे में क्या किया जाए—लेकिन हम लोग जो प्रोसीजर में श्रद्धा रखने वाले है कांस्टीट्यूशन को मानने वाले हैं पूरी सहानुभूति लैंडलैस लेबरजं के साथ होते हुए जो मूवमेंट चल रही है उसका साथ नही दे सकते हैं—यह जो मूवमेंट चलाई जा रही है यह लैंडलैस के लिए नहीं है बल्कि एक स्टंट मात्र हैं - मैं गवनमेंट को भी कहना चाहती हूं कि लोग ज्यादा देर तक इंतजार नहीं कर सकते हैं—लोग बहुत इम्पेशेंट हैं यह भी एक सही बात हैं - लेकिन इस में सेंट्रल गवर्नमेंट की भी जिमेंवारी है। जिन स्टेट्स में उसकी हकूमत हैं वहाँ तो भूमि भूमिहीनो में बांटी जानी चाहिये ..

SHRI SAMAR GUHA : They have been sleeping like Kumbhakarna for the last 23 years.

श्रीमती जयाबेन शाह : जहाँ तक गुजरात का सम्बन्ध है वहां हमने इस काम को खत्म कर दिया है—अगर सरकार लोगों को जमीन नहीं देती है तो और भी ज्यादा लोग कम्युनिस्टों के तरीके को अख्त्यार करके आगे बढ़ेंगे इस वास्ते जल्दी से आप भूमि सुधार लागू करें और मशीनरी बनाए जो भूमि बांटने की व्यवस्था करे।

SOME HON. MEMBERS *rose*—

MR. DEPUTY-SPEAKER : No more submission. This is becoming a discussion. The point has been made that members would like this to be discussed. I think prof. Mukerjee right at the beginning had said that some members had given notice of an adjournment motion or some other form of discussion. Members cannot expect me to take a decision here. I shall convey all this to the Speaker.

श्री शिव चन्द्र झा : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा एक व्यवस्था का प्रश्न है। आम तौर पर प्रोसीजर यह रहा है कि एडजर्नमेंट मोशन का फैसला कालिंग स्टेशन मोशन के बाद हो जाता है। लेकिन मैं कुछ दिनों से देख रहा हूँ कि स्पीकर साहब फैसला ही नही करते हैं। मैंने एडजर्नमेंट मोशन दिया था। चूंकि उस पर फैसला नहीं हुआ इस वास्ते हम को हल्ला करने का तरीका अख्त्यार करना पड़ता है। आप व्यवस्था दें कि एडजर्नमेंट मोशन जब कभी आए तो कालिंग एटेंशन के बाद उसका फैसला हो जाया करे। यह विषय बहुत अहम है।

MR. DEPUTY-SPEAKER : He has raised a point of order as to why no decision was taken. I have to convey to him that tee Speaker had considered the adjournment motion and has not found it possible to admit it. Despite that, members have expressed themselves very strongly on this. This shall be conveyed to the Speaker.

15.03 hrs.

STATEMENT *RE*. PRICE OF DRUGS

THE MINISTER OF PETROLEUM AND CHEMICALS AND MINES AND METALS (DR. TRIGUNA SEN) : I was to make a statement on prices of drugs, but the statement in all its details comprises 9 pages. I do not like to take the time of the House by reading it